Seventeenth Loksabha

an>

Title: Inclusion of Journalism and Mass Communication as Optional Papers in Exams conducted by UPSC.

श्री संजय सेठ (राँची) : अध्यक्ष जी, धन्यवाद। पत्रकारिता और जनसंचार वर्तमान की शिक्षा व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण अंग है। देश में बड़ी संख्या में विद्यार्थी पत्रकारिता और जनसंचार की पढ़ाई कर रहे हैं। प्रति वर्ष देश के विभिन्न संस्थानों से लगभग 50 हजार से अधिक विद्यार्थी पत्रकारिता में स्नातक और स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त करते हैं। वर्तमान व्यवस्था में पत्रकारिता के विद्यार्थी पत्रकारिता, जनसम्पर्क, विज्ञापन जैसे क्षेत्रों में बेहतर काम करते हैं।

महोदय, सदन के माध्यम से मेरा सरकार से आग्रह है कि यूपीएससी में पत्रकारिता के विषय को शामिल किया जाए। यह विषय सरकार और जनता के बीच समन्वय बनाने वाला विषय है। यदि यूपीएससी में पत्रकारिता और जनसंचार को शामिल किया जाएगा तो बड़ी संख्या में पत्रकारिता और जनसंचार के लोग बेहतर समन्वय का काम कर सकेंगे। वे ग्रामीण से लेकर शहरी क्षेत्र के विकास का खाका खींचने और उसे अमलीजामा पहनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसलिए मैं सदन के माध्यम से सरकार से आग्रह करता हूं कि पत्रकारिता और जनसंचार जैसे महत्वपूर्ण विषय को यूपीएससी की परीक्षा में शामिल किया जाए, ताकि पत्रकारिता से जुड़े युवा भी यूपीएससी में अपनी किस्मत आजमा सकें।